SHRI L. K. ADVANI: I would not deny there is ample scope for improvement, and constant efforts in this direction are going on. In fact, in this me has been drawn up to cover, especially, the T. V. plays, and for that, we are taking recourse to the non-lapsable fund we have. Certain programmes that have been conceived have really attracted appreciation from the audience.

श्री ओम प्रकाश त्यागी: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सरकार न जो योजनाएं जनहितार्थ बनायी हैं --पंचवर्षीय योजनाओं में सामाजिक कुरीतियां दूर करने के बारे में जो योजनाएं हैं जिन से देश में बहुत बड़ा खतरा उत्पन्न हो रहा है — क्या उन योजनाओं से टेलीविजन के प्रोग्राम का कोई डायरेक्ट सम्बन्ध है? मेरा तो ऐसा अनुभव है कि इन सामाजिक कुरीतियों जैसी समस्याओं के सम्बन्ध में टेलीविजन के कोई डायरेक्ट सम्बन्ध नहीं बैठता है। क्या आप इस सम्बन्ध को स्थापित करने की चेष्टा करेंगे?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : सम्मानित सदस्य ने जो बात कही है, वह सही नहीं है क्योंकि जो देखने वाले दर्शक है उन में से अगर किसी को शिकायत होती है तो वह यही होती है कि इस में इस्टक्शनल कन्टेन्टस ज्यादा है, इसे और मनोरंजक बनाया जाना चाहिए। वे यह भी कहते है कि हमारा उद्देश्य यह है कि..

श्री ओम प्रकाश त्यागी : कुरीतियों को दूर करने की दिशा में आप का योजना के साथ कोई सम्बन्ध है या नहीं?

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : इस का शिक्षणात्मक जो पहलू है उस का योजना से ही सम्बन्ध है। अन्त्योदय के जो प्रोग्राम टी0 वी0 पर दिखाये जाते हैं वे इसी उद्देश्य से दिखाये जाते है। लेकिन मुझ को जो दर्शक मिलते हैं वे कहते है कि टी0 वी0 पर अन्त्योदय का कार्यक्रम दिखाना तो अच्छा है लेकिन हमको टी0 वी0 पर मनोरंजन भी चाहिए। मैं उन को बताता हू कि इस के द्वारा मनोरंजन भी होगा, साथ साथ शिक्षण भी होगा और हिन्दुस्तान जसे देश केवल मनोरंजन के लिए टी॰ वी॰ का उपयोग नहीं हो सकता है।

New Mini Cement Plants

*247. SHRI BIRENDRA PRASAD: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have identified ninety sites for setting up mini cement plants to be based on lime stone deposits;

(b) whether more sites are likely to be identified later; and

(c) out of these how many sites are situated in the State of Bihar?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES) : (a) and (b). Cement Research Institute have identified 46 potential sites in 19 States for establishing mini cement plants. Since there are several lime stone deposits which are yet to be explored and proved, there are possibilities of identifying more sites later.

(c) In the State of Bihar the sites identified by the Cement Research Institut are as under:—

1. Baulia-Chunhatta	Rohtas District
2. Bandu Basseriya .	Hazaribagh Distt.
3. Kurkutta Religera .	Hazaribagh Distt.
4. Jaradag .	Shahbad District
5. Bilduria	Shahbad District
6. Mataiwan	Shahbad District

श्री बीरेन्द्र प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय, से जानना चाहता है कि सीमेंट अनुसधान संस्थान ने 19 राज्यों म 46 मिनी सिमेंट प्लांट लगाने की जो बात कही है इन मिनीप्लां टस के लगने में कितना समय लगेगा और इन पर कितनी राशि खर्च होगी?

श्री जार्ज फर्नानडीस : अध्यक्ष जी, जहां तक मिनी सिमेंट प्लांट लगाने का सवाल है, उन को सरकार खुद नहीं लगाने जा रही है। इन पर अलग अलग प्राइवेट एन्टरप्रिन्योर्स लगाने का काम कर रहे है। इस समय लगभग तीस ऐसे यूनिटस है जिन पर काम काफी आगे बढ़ चका है। हम आशा करता है कि अगले साल लगभग दस मिनी सिमेंट प्लांट देशभर के निर्माण में काम में लग जाएगे।

अभी हम ने सरकार की ओर से दो कमेटियां बनायी थीं—एक इसके आर्थिक पहलू के बारे नें सोचने के लिए और दूसरी इन के तकनीकी पहलू के बारे में सोचने के लिए। उन की रपट अभी आयी है और जैसे ही सरकार का उन पर फेसला हो जाएगा, वैसे ही मुझे आशा है कि हम देशभर में बड़े पैमाने पर ये छोटे सीमंट के कारखाने लगानें के बारे में पहल कर पायेंगे।

श्री बीरेन्द्र प्रसाद : लाइम स्टोन डिपाजिट्स बिहार के छोटा नागपुर के इलाके में बहुत प्रचुर मात्रा में है। बिहार में छः स्थानों का चुनाव किया गया है मिनी सिमेंट प्लांटस के लिए। इसमे छोटा नागपुर नहीं है। बिहार मे छोटा नागपुर जैसे स्थानों में जहां लाइम स्टोन बहुत अधिक मात्रा में उपलब्ध है उन स्थानों में मिनी सिमेंट प्लांट की स्थापना के बारे में क्या सरकार का कोई विचार है?

श्री जार्ज फर्नानडीस : सिमेंट रिसर्च इन्सटीट्यूट की ओर से कहां य मिनी स्टील प्लांट लगाए जाए आज से तीन वर्ष पहले यह खोज शुरू हुई थी, एक विचार ऐसा बना था, दिमाग ऐसा बना था कि ऐसे इलाकों में जहां लाइम स्टोन डिपाजिट्स बहुत मात्रा में उपलब्ध है वहां मिनी सिमेंट प्लांट लगाए जाए और जहां बड़ी मात्रा मे उपलब्ध है वहां बड़े कारखाने लगाए जाए। यह एक खोज थी। मैं खुद इस पक्ष में नहीं हूं। मैं मानता हूं कि इस देश में बहुत ही बड़े पैमाने पर हम लोगों को छोटे कारखाने लगाने की कोशिश करनी चाहिए, काम करना चाहिए। माननीय सदस्य ने छोटा नागपुर इलाके के बारे में जो कहा है वह बिल्कुल दुरुस्त है और जैसे ही एक बार इस पर नीति सरकार की अंतिम तौर पर बन जाएगी उसके बाद छोटे कारखाने देश भर में लगाने का काम शुरू हो जाएगा।

SHRI DWARIKADAS PATEL: May I know from the Hon. Minister whether these mini cement plants will be economic units in competition with larger units and, also, what precautionary steps the Government plans to take to ensure their competitiveness?

SHRI GEORGE FERNANDES: As I said earlier, we appointed two Committees—one to consider the economics of the mini cement units, and the other to consider the technical and technological aspects of the mini cement industry, and the two Committees have submitted their reports. Where the economic aspects of the mini cement industry are concerned, the Committee has made certain recommendations which would require the Government to make some fiscal concessions to the mini cement units. All these points are under examination at the moment and once a decision is taken, it would be Government's endeavour to see that the mini-cement plants are enabled to function in a competitive market where the large cement plants are presently operating. (*Interruptions*).

SHRI DINEN BHATTACHARYA: The Minister has stated in his reply that there are possibilities for setting up more mini cement plants. May I know, in this respect, what is the total amount of cement necessary for this country and how much is at present produced from the different cement industries? Secondly, is it within the knowledge of the Minister that in most of the places, cement is sold at black-market prices?

SHRI GEORGE FERNANDES: This year, the requirement of cement in the country is estimated at 20 million tons, and we shall be producing 20.5 million tons. Our efforts are to reach 21 million tons, but we are sure of reaching 20.5 million tons.

AN HON. MEMBER: How much are you importing?

SHRI GEORGE FERNANDES: We are importing about 2 million tons of cement. In so far as distribution of cement is ocncerned, since 1st October, the distribution in most of the States has been taken over by the State distribution and marketing agencies. To the best of my knowledge, this new system whereby the States are looking after the distribution of cement, is working satisfactorily and we have not had any recent reports, at least, of anyone indulging in black-market of cement.

पाकिस्तानी एजेंटों का पकड़ा जाना

*248. **श्री हरगोविन्द वर्मा** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत दो महीनों के दौरान कुछ पाकिस्तानी एजेंट पकड़े गये हैं;

(ख) यदि हां, तो कितने और क्या सरकार ऐसे लोगों का भारत में प्रवेश रोकने के लिये कोई विशेष प्रबन्ध कर रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है?